हड़कंप | प्रशासन ने तत्परता से संभाली स्थिति, डाक्टरों ने जताई फूड पॉइजनिंग संभावना

दशगात्र कार्यक्रम में भोजन के बाद 110 लोग बीमार

शहपुरा नवभारत 11 अप्रैल। विकासखंड मेंहदवानी के ग्राम पंचायत झामझोला में आयोजित दशगात्र कार्यक्रम के दौरान भोजन करने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों के बीमार होने की सूचना मिलते ही कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम को तुरंत गांव भेजा गया। बीमार ग्रामीणों को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल मण्डला, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेंहदवानी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगांव में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

फूड पॉइजनिंग के कारण हुए थे अस्वस्थ : डॉ. दीवान

जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 10 अप्रैल को आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल लगभग 110 लोग भोजन के बाद फूड पॉइजनिंग के कारण अस्वस्थ हो गए थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डे के नेतृत्व में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता दीवान, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. अमित जैन एवं बीएमओ मेंहदवानी डॉ. रनमत सिंह परस्ते की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए

स्थिति पूर्ण नियंत्रण में आने तक ग्राम झामझोला में अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गांव में लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में सभी मरीजों की स्थिति सामान्य है और घबराने की कोई बात नहीं है। इस पूरी कार्यवाही में स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं की भी सक्रिय भागीदारी रही।

बाघिन का शिकार करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

करंट का जाल बिछाकर करते थे शिकार

नवभारत उमरिया 11 अप्रैल। बेजुबान वन्यजीवों के खून से हाथ रंगने वाले दरिंदों के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। चंदिया परिक्षेत्र में 11 केवी की हाई-वोल्टेज लाइन के जरिए बाघिन को मौत की नींद सुलाने वाले बैगा-कोल गिरोह के 5 सदस्यों को विभाग ने सलाखों के पीछे डाल दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में मझगवां के राजेश उर्फ बउरा बैगा, नत्थू बैगा, पुरुषोत्तम बैगा, संजय बैगा और चंदौल का अल्लू कोल शामिल हैं।

शुक्रवार को कोर्ट में पेशी के बाद शिकारियों को 6 दिन की रिमांड पर लिया गया है, जहां वन विभाग के अधिकारी अब शिकार के इस संगठित नेटवर्क की कुंडली खंगालेंगे। पकड़े गए आरोपियों ने मझगवां मार्ग के पास स्थित विद्युत लाइन में जीआई तार फंसाकर मौत का ऐसा जाल बिछाया था कि बाघिन को संभलने का मौका तक नहीं मिला। जैसे ही जंगल की बाघिन इस जाल की चपेट में आई, वह बिजली के झटकों से मारी गई।

विद्युत विभाग की भी होगी एंट्री

वन विभाग ने केवल वन्यजीव अधिनियम ही नहीं, बल्कि शिकारियों को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने के लिए विद्युत विभाग को भी पत्र लिखा है। अब इन पर भारतीय विद्युत अधिनियम के तहत अलग से शिकंजा कसा जाएगा। विभागीय सूत्रों की मानें तो रिमांड के दौरान इस गिरोह से जुड़े कई सफेदपोशों और बिचौलियों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

कब थमेगा करंट से शिकार का तांडव?

क्षेत्र में करंट लगाकर शिकार करने का ट्रेंड एक नासूर बन चुका है। आए दिन बाघ और अन्य वन्यजीव इस साजिश का शिकार हो रहे हैं, लेकिन शिकारियों के हौसले पस्त होने का नाम नहीं ले रहे। कई बार तो ग्रामीण और मवेशी भी इस जानलेवा जाल की भेंट चढ़ चुके हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक जंगल के राजा का खून बहता रहेगा।

बस ने पुलिस वाहन को रौंदा, टीआई व आरक्षक घायल

सरकारी गाड़ी के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए, दोनों को जबलपुर किया गया रेफर

नवभारत उमरिया 11 अप्रैल। जिले की सडकों पर दौड़ती यमदूत बनी बसें अब खाकी को भी अपना शिकार बनाने लगी हैं। विगत दिनों शाम उमरिया-कटनी मार्ग पर एक भीषण सडक हादसे ने पुलिस महकमे में हडकंप मचा दिया। चंदिया थाना प्रभारी और उनका आरक्षक एक तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, चंदिया टीआई अपनी टीम के साथ सरकारी वाहन से उमरिया से चंदिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अनियंत्रित बस ने पुलिस वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि सरकारी गाड़ी के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे में टीआई और

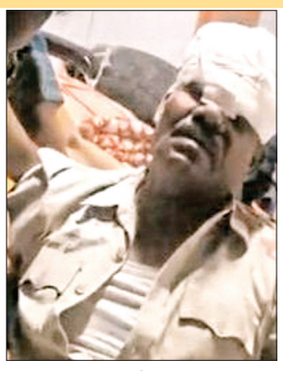

आरक्षक वाहन के भीतर ही फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

दोनों घायलों की हालत नाजुक

हादसे के फौरन बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल जबलपुर के लिए रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों को अंदरूनी और गंभीर चोटें आई हैं।

प्रशासनिक सुस्ती पर सवाल

यह हादसा जिले की यातायात व्यवस्था और बेलगाम दौड़ती बसों पर बड़े सवाल खड़े करता है। जब सुरक्षित माने जाने वाले पुलिस वाहन ही सडकों पर महफूज नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है। आखिर इन रोडवेज माफियाओं पर नकेल कब कसी जाएगी? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा था? फिलहाल, पुलिस ने बस को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

25 फीट गहरे कुएं में गिरे बैल को मिली नई जिंदगी

युवाओं की टीम ने जेसीबी की मदद से किया रेस्क्यू

डिंडौरी नवभारत 11 अप्रैल। शनिवार का दिन एक बेबस जानवर के लिए मानो नया जीवन लेकर आया। जिला मुख्यालय से महज 12-13 किलोमीटर दूर एक गांव में लगभग 25 फीट गहरे कुएं में गिरे बैल की जिंदगी अधर में लटक गई थी। कुएं की गहराई और हालात ऐसे थे कि हर गुजरता पल उसकी सांसों पर भारी पड़ रहा था। जैसे ही इस घटना की खबर फैली, 'टीम युवा शक्ति' के युवाओं ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। हालात आसान नहीं थे—गहरा कुआं, डरा-सहमा बैल और हर पल बढ़ता खतरा, लेकिन युवाओं ने हिम्मत नहीं हारी। जेसीबी मशीन की मदद से सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

लोगों ने ली राहत की सांस

काफी मशक्कत और सूझबूझ के बाद आखिरकार वह पल आया, जब बैल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जैसे ही बैल जमीन पर आया, वहां मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। मानो किसी अपने को मौत के मुंह से वापस खींच लाया गया हो। इस सराहनीय कार्य में नगर के युवा समाजसेवी रोहित कांस्कर, सिद्धार्थ चौहान, यीशु गवले, सौरभ मेहरा एवं आदिल खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

युवा टीम की सराहना की गई

इन युवाओं की तत्परता और संवेदनशीलता ने यह साबित कर दिया कि इंसानियत आज भी जिंदा है। गांव के लोगों ने टीम युवा शक्ति के इस कार्य की जमकर सराहना की। यह घटना न केवल एक जानवर की जान बचाने की कहानी है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि जब इरादे नेक हों, तो हर मुश्किल आसान हो जाती है।

विकासखंड अमरपुर में जनगणना 2027 हेतु मकान नम्बरिंग का प्रशिक्षण आयोजित

डिंडोरी नवभारत। कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय जनगणना अधिकारी रामबाबू देवांगन के निर्देशन में विकासखंड अमरपुर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान नम्बरिंग से संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

यह प्रशिक्षण जनपद पंचायत सभागार अमरपुर में आयोजित हुआ, जिसमें ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं मोबिलाइजर शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना 2027 की प्रारंभिक जानकारी देते हुए (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) के अंतर्गत भवन, जनगणना मकान एवं परिवारों की पहचान कर उनकी सही तरीके से नंबरिंग करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। प्रशिक्षण सत्र में अनुविभागीय जनगणना अधिकारी रामबाबू देवांगन द्वारा पीपीटी के माध्यम से संपूर्ण प्रक्रिया को सरल और व्यावहारिक तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिससे उपस्थित कर्मचारियों को कार्य की स्पष्ट समझ मिल सके।

शिक्षकों ने टीईटी से छूट की मांग पर किया प्रदर्शन

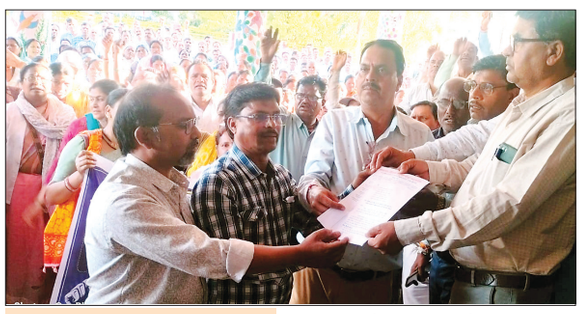

शिक्षा मंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

करंजिया, नवभारत 11 अप्रैल। विगत दिवस अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आह्वान पर चल रहे दूसरे चरण के आंदोलन के तहत ब्लॉक शाखा करंजिया के सैकड़ों शिक्षकों की उपस्थिति में महासभा आयोजित की गई। सभा में शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार आवाज उठाई।

महासभा के दौरान शिक्षकों ने 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भारत सरकार के नियमानुसार टीईटी परीक्षा से मुक्त करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि टीईटी परीक्षा का कानून वर्ष 2010 में लागू हुआ, ऐसे में उससे पहले नियुक्त शिक्षकों पर इसे लागू करना उनके सम्मान के खिलाफ है। उन्होंने इसे 'काला कानून' बताते हुए अध्यादेश लाकर इसे निरस्त करने की मांग की।

नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की मांग-इसके साथ ही शिक्षकों ने प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। महासभा के पश्चात शिक्षकों ने एक विशाल रैली निकालकर करंजिया में प्रदर्शन किया और भारत के प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षामंत्री, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री के नाम नायब तहसीलदार करंजिया को ज्ञापन सौंपा।

इनकी रही उपस्थिति-इस दौरान रामकुमार गर्ग, सुशील कुमार, नागेश्वर, जीवन मरावी, श्यामलाल विश्वकर्मा, इनायत अली, सैयद फिरोजा बेगम, भारती मरावी, सुनील शुक्ला, सुनील नामदेव, मंजूलता, नर्मदा, उर्मिला मरावी, सावित्री चंदेल, रेवती गवले सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

18 को भोपाल में बड़े आंदोलन की चेतावनी

डिंडोरी। पूर्व से कार्यरत शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले ब्लॉक डिंडोरी इकाई ने केंद्र एवं राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन तहसीलदार के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा गया। ज्ञापन में बताया गया कि सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरटीई अधिनियम 2010 के संदर्भ में यह निर्णय दिया गया है कि वर्ष 2010 के पूर्व से कार्यरत शिक्षकों को भी टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। इसके पालन में लोक शिक्षण संचालनालय एवं आदिवासी विकास विभाग द्वारा मध्यप्रदेश में भी आदेश जारी किए गए हैं।

सरकार रिव्यू पिटीशन दायर करे-शिक्षकों ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वे पिछले 25-30 वर्षों से पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं और अधिकांश शिक्षक 50 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं। ऐसे में किसी कानून को भूतलक्षी (पिछले प्रभाव) से लागू करना न्यायसंगत नहीं है। संयुक्त मोर्चा ने मांग की है कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर अध्यादेश लाकर रिव्यू पिटीशन दायर करे और टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। इसके तहत आगामी 18 अप्रैल को प्रदेशभर के लगभग 4 लाख अध्यापक परिवार सहित भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखेंगे।

संबल एवं सामर्थ्य के विषय में दी जानकारी

शहपुरा नवभारत 11 अप्रैल। कलेक्टर अंजू पवन भदोरिया के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन में जिले में संचालित मिशन शक्ति हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन है, जिसमें वन स्टॉप सेंटर जिला डिंडोरी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह जागरूकता कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना कार्यालय शहपुरा,सेक्टर - शहपुरा (शहरी क्षेत्र) वार्ड क्रमांक 02 एवं आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 9, विकासखंड - शहपुरा, जिला-डिंडोरी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर परामर्शदाता निकिता मरकाम द्वारा उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बालिकाओं, महिलाओं एवं को मिशन शक्ति के तहत आने वाली उपयोजनाओं संबल एवं सामर्थ्य के विषय में जानकारी दी गई। इसके अलावा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराया गया तथा बाल विवाह के सामाजिक स्वास्थ्य एवं कानूनी दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह न केवल एक गंभीर सामाजिक बुराई है बल्कि यह कानूनन दंडनीय अपराध भी है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बालिकाओं एवं महिलाओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक रहने एवं समाज में इनके उन्मूलन हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलाया गया।

ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन दिलीप बने शहपुरा विस अध्यक्ष

मेंहदवानी में आम आदमी पार्टी की अहम बैठक आयोजित

शहपुरा नवभारत 11 अप्रैल। विकासखंड मेंहदवानी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व विकासखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू ने किया, जिसमें संगठन विस्तार और जनसमस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से विकासखंड कार्यकारिणी का गठन किया गया। ग्राम कठौतिया में शिवदयाल साहू को अध्यक्ष, दिलीप साहू को उपाध्यक्ष और मनोज साहू को सचिव नियुक्त किया गया। ग्राम मेंहदवानी में दीपक साहू को अध्यक्ष, अश्वनी साहू को उपाध्यक्ष और भगवान प्रसाद साहू को सचिव बनाया गया। वहीं ग्राम सारसडोली में सुखदेव साहू अध्यक्ष, सुगम साहू उपाध्यक्ष और अंगद साहू सचिव बनाए गए।

जनसमस्याओं को उठाया जाएगा-इसके साथ ही संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए दिलीप झारिया को शहपुरा विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया और संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी और उनके समाधान के लिए संघर्ष तेज किया जाएगा। साथ ही गांव-गांव तक संगठन विस्तार कर पार्टी को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

ग्राम निगवानी में लगी भाजपा की चौपाल

डिंडोरी, नवभारत 11 अप्रैल। भाजपा के 'ग्राम चलो अभियान' के अंतर्गत जिला डिंडोरी के मंडल औरई शक्ति केंद्र के ग्राम निगवानी में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और लाभार्थियों से चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे जिला महामंत्री एवं डिंडोरी मंडल प्रभारी सुधीर दत्त तिवारी ने चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के हित में कार्य कर रही है।

लोगों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य-उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में सरकार की भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार किसान, युवा, महिला और गरीब—इन चार वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चौपाल में भाजपा कार्यकर्ता अमरदास धारवे, शिवकुमार सैयाम, बीएलए मंगल सिंह सैयाम, धनुदास गोयल, तुलसी सैयाम, बाजारीदास खैरबार, भक्ति सिंह मरकाम, कुंदनवासिंग सैयाम सहित अनेक बूथ कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मानपुर में हुआ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

चिल्हारी नवभारत 11 अप्रैल। सप्ताहिक कथा की कलश शोभायात्रा हर्ष और उल्लास से भर देने वाली रही। पुरानी बाजार स्थित काली मंदिर से रमेश यादव के घर तक ढोल-नगाड़े, ताशे और डीजे की गूंज के साथ निकली यह शोभायात्रा श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम थी।

पूज्य श्री 1008 श्री प्रभु दयाल जी सत्गुरु देव भगवान रथ में सवार होकर यज्ञ स्थल की ओर प्रस्थान करते हुए सभी भक्तों को आशीर्वाद देते रहे। पूरे यादव परिवार के साथ रामभवन यादव, रामबदन यादव, नत्थूलाल यादव, रजनीश यादव, सत्यनारायण, अरुण यादव, बक्कू यादव, नीलकमल यादव, उमेश यादव, रावेंद्र यादव, लाला यादव, आशीष यादव, लौकेश यादव, रूपनारायण यादव, सुरेंद्र कुमार वीरेंद्र यादव यादव, आशू यादव, सुखलाल यादव, राममिलन यादव, सचिन, सुमित यादव सहित महिला मंडल और बच्चे भजन-कीर्तन और नाच-गान करते हुए कथा स्थल तक पहुंचे।

अनदेखी | आबकारी विभाग का 'इवेंट मैनेजमेंट', सन रिसोर्ट में शराब की बोतलों पर मचा बवाल

सप्लायर का नाम लेने में विभाग को क्यों आ रहा पसीना?

चिल्हारी, उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की दहाड़ से ज्यादा आजकल शराब की बोतलों की खनक सुनाई दे रही है। आबकारी विभाग ने फेमस सन रिसोर्ट में छापामार कार्यवाही कर हजारों की अवैध शराब क्या जब्त की, मानों विभाग ने कोई एवरेस्ट फतह कर लिया हो।

विभाग इस कार्यवाही पर अपनी ही पीठ थपथपा रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यह छापेमारी एक बड़े खेल का महज एक छोटा सा ट्रेलर है। असल सवाल तो यह है कि जब शराब पकड़ी गई, तो वह भूत बनकर तो आई नहीं होगी? फिर विभाग उन सप्लायरों और शराब माफियाओं के गिरेबान तक क्यों नहीं पहुंच पा रही, जो इन रिसोर्ट्स की रगों में अवैध जाम परोस रहे हैं?

साहब, उनके यहाँ भी है...

कार्यवाही के दौरान बांधवगढ़ की गलियों में एक ही जुमला गूंजता रहा कि साहब, उनके यहां भी है! जनता को पता है, परिंदों को पता है, लेकिन हमारे आबकारी विभाग के सूरमाओं को कुछ पता नहीं। ताला की गलियों में चर्चा आम है कि बिना लाइसेंस और बिना मानकों के दर्जनों रिसोर्ट्स में जाम छलक रहे हैं। क्या विभाग केवल बलि का बकरा ढूंढने के लिए सन रिसोर्ट तक गया था, आखिर वह कौन सी मजबूरी है जो विभाग को शराब सिंडिकेट के बड़े खिलाड़ियों का नाम लेने से रोकती है?

सप्लायर तक कब पहुंचेंगे विभाग के हाथ

ताला शराब दुकान का ठेका क्या बदला, मानों समीकरण ही बदल गए। चर्चा है कि नया ठेकेदार काफी घाघ है और वह इलाके में किसी भी तरह की अवैध पैकारी या बिक्री बर्दाश्त नहीं करेगा, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या आबकारी विभाग अब ठेकेदारों की मंशा और उनके इशारों पर काम करेगा? विभाग की सतर्कता केवल तब क्यों जागती है जब ठेकेदार बदलता है? इतने दिनों से जब बांधवगढ़ के रिसोर्ट्स में

इवेंट मैनेजमेंट छोड़कर करना होगा जड़ पर प्रहार

आबकारी विभाग अवैध अंग्रेजी शराब की खेप तो पकड़ लेता है, लेकिन उस सोर्स का खुलासा कभी नहीं करता जहां से यह माल निकलता है। यह शराब कौन से गोदाम से आ रही है, कौन सा सिंडिकेट पूरे बांधवगढ़ क्षेत्र को नशे में डुबो रहा है? विभाग केवल चंद बोतलें पकड़कर अपनी ड्यूटी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े मगरमच्छ खुलेआम घूम रहे हैं। आखिर इन माफियाओं का चेहरा बेनकाब करने में विभाग के हाथ क्यों कांप रहे हैं? अगर आबकारी विभाग वाकई अपनी छवि सुधारना चाहता है, तो उसे इवेंट मैनेजमेंट छोड़कर जड़ पर प्रहार करना होगा। केवल रिसोर्ट्स पर छोटे-मोटे केस बनाकर जनता की आंखों में धूल झोंकना बंद करें।